रात्रीक्लास ओमशांति 19.1.67

बच्चों ने अनुभव सुनाया?अब बच्चे क्या सुनावेंगे?वो कहेंगे हम बाबा से वर्सा ले रहे हैं।हम बच्चे हैं बाप के।लौकिक बाप के है ही।अब बेहद के बाप से मिले हैं।बा है स्वर्ग की स्थापना करने वाला।वो बाप से हम स्वर्ग की राजाई का ही वर्सा लेंगे।श्रीमत पर चलेंगे।बाप राय देते हैं मुझे याद करने से तुम स्वर्ग के मालिक बन सकते हो।तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जावेंगे।बच्चे समझते हैं हम बेहद के बापदादा के सम्मुख बैठे हैं।बरोबर 5000वर्ष पहले भी शिवबाबा भारत में ही आया था।तो हम भारतवासियों को स्वर्ग का वर्सा दिया था।अब फिर देते हैं।अब बाप की याद की भट्ठी में पड़ी तो किचड़ा निकल जावेगा और सच्चा सोना बन जावेंगे।बच्चे कहते हैं बाबा हम आपके बच्चे बने हैं सो जरूर स्वर्ग का वर्सा लेंगे अथवा अमरलोक का वर्सा लेंगे।आप अमरलोक का वर्सा देते हो माया रावण ..मृत्युलोक का वर्सा देते हैं।तो खुशी रहनी चाहिए।देह सहित देह के सब सम्बंधियों को देखते हुये,साथ में रहते हुये बाप को याद करना है।इसको कहा जाता है बेहद की पुरानी दुनियां का सन्यास।इस पुरानी दुनियां में पाप बहुत होते हैं।भारत सच्चखण्ड था।अब तुम सच्चखण्ड का मालिक बनते हो।बाप बच्चों को कहते हैं अनुभव सुनाओ।कहते हैं आप बाप मिले हो वर्सा तो मिलना ही है।आप जैसी राय देंगे उस पर हम चलेंगे।इन गुरू लोग से तो कोई रास्ता मिलता नहीं।टीचर फिर भी पढ़ाते हैं तो कमाई होती है।गुरुओं पास जाने से कमाई(है)क्या?गुरू क्या कमाई कराते हैं?कुछ भी नहीं।बाप समझाते हैं।यह भक्तिमार्ग के गुरू हैं।भक्तिमार्ग दुवण मार्ग है।उससे निकलते ही नहीं हैं।वो दुवण देखने में बड़ा शोभनीक आता है।इतने दुवण में फंस गये हैं जो चोटी तक।निकलने में चोटी ही निकलती आती है।तुम कहते थे कि आप आवेंगे तो वारी जावेंगे।अब आया हूँ।तुम आधा कल्प आशिक बने हो।दुःख में माशूक को बहुत याद करते आये हो।आओ माशूक हम मनिकाओं को आकर पावन बनाओ।अब माशूक कहते हैं मैं सबको पावन बनाकर साथ में ले जाउंगा।यह सारी दुनियां महिफल (महफिल)है।इस महिफल (महफिल) के बाप बीच में आये हैं।सभी मनुष्य जो पतित हो गये हैं उनको पावन बनाकर साथ में ले जाने लिए आये हैं।बाप जब तक यहां हैं आत्मायें आती रहेंगी।संख्या कम कैसे हो सकती है?जब सब आ जावेंगे तब लड़ाई भी पूरी हो जावेगी।फिर मच्छरों की तरह भागेंगे।शांति भी मांगते हैं।पीस प्राइज़ देते रहते हैं।पीस करते कहां हैं?पीस प्राइज सचमुच किसको मिलना है?तुम बच्चों को ;क्योंकि तुम बाप की मत पर सारे विश्व पर राज्य स्थापन कर रहे हो।यह तो विश्व का मालिक बनने की प्राइज़ मिलती है।अच्छा, गुडनाइट। 24.167 प्रातःक्लास की मुरली की बाकी प्वाइंट्स–जितना हो सके बाप को याद करना है।जैसे आफिस से छुट्टी लेते हैं वैसे ही धन्धे से एक/दो दिन की छुट्टी पाकर बाप की याद में बैठ जाना चाहिए।घड़ी2 बाप की याद में बैठो।अच्छा,सारा दिन व्रत रख लेता हूँ बाप को ही याद करने का।कितना फायदा हो जावेगा।विकर्म तो विनाश होंगे।बाप की याद से ही सतोप्रधान बनना है।सारा दिन पूरा योग तो कोई का लग नहीं सकता।माया विघ्न जरूर डालती है।फिर भी पुरुषार्थ करते2 विजय पा लेंगे।...विजय कराने के लिए ही तो आया है।बस आज तो मैं सारा दिन बाग में बैठकर अपने बाप को याद करता हूँ।खाने पर भी बस याद में बैठ जाता हूँ।भल खना ठण्डा हो जावे।यह है युद्ध।हमको पावन जरूर बनना है।औरों को भी रास्ता बताना है।मेडिलस तो बहुत अच्छी चीज है।रास्ते में आपस में ही बात करते रहेंगे तो बहुत आकर सुनेंगे।बाप कहते हैं मुझे याद करो।बस।बस, मैसेज मिल गया।हम रेस्पांसिबिलिटी से छूटे।समय तो अभी पड़ा है।मैडिलस हिंदी और अंग्रेजी में तो है ही।अंग्रेजी तो सबको पढ़नी ही है।इन बिना काम चल ना सके।कर्जा ही अंग्रेजी वालों से लेते हैं ;परंतु अहंकार कितना है।वो भी बंदर हैं।यह भी बंदर है।एक/दो को धुर–धुर करते रहते हैं।यह है ही बंदरों की दुनियां।सूरत मनुष्यों की, सीरतें बंदर जैसी है।कितना आपस में लड़ते–डहारते रहते हैं।छी2 ।अच्छा , बच्चों को गुडमार्निंग।